पाठ - 1

सृष्टि की रचना

I पाठ संबंधी विचार

1. उत्पत्ति 1:1-31- यहोवा परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया।
2. यूहन्ना 1:1-14- सब वस्तुएं परमेश्वर के शब्द के द्वारा बनाई गईं।
3. कुलुस्सियों 1:15-18- यीशु अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप है।

II विषय-वस्तु:

परमेश्वर पिता, शब्द और पवित्र आत्मा ने आकाश, पृथ्वी और उनमें की सभी वस्तुओं को बनाया। मनुष्य को परमेश्वर के स्वरूप पर बनाया गया। उसे एक खूबसूरत बाग अदन में रखा और उसे सारी सृष्टि की ज़िम्मेदारी दी गई। परमेश्वर ने आदमी से उसके जैसी ही उसकी एक सहायक औरत बनाई, और उन्हें पति और पत्नी का दर्जा दिया।

1. एक ही परमेश्वर है:

क) उसने अपनी शक्ति का प्रदर्शन सृष्टि की रचना करके दिया- उत्पत्ति 1:1,26; कुलुस्सियों 1:15-18.

ख) वह सच्चा परमेश्वर है- यशायाह 44:6-8; 45:5,18.

2. वह तीन व्यक्तियों में रहता है: पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा- मत्ती 28:19:

क) परमेश्वर ने कहा, और हो गया- उत्पत्ति 1:3,6,9,11,14,20,24,16.

ख) सभी वस्तुएं परमेश्वर के शब्द के द्वारा बनाई गईं- यूहन्ना 1:3; कुलुस्सियों 1:16; इब्रानियों 1:1-4.

ग) संसार को बनाने में पवित्र आत्मा ने काम किया- उत्पत्ति 1:2.

3. परमेश्वर ने आकाश, पृथ्वी और सभी जीवों को बनाया:

क) उसने उन्हें बिना कोई वस्तु लिए बनाया- इब्रानियों 1:3; उत्पत्ति 1:1.

ख) उसने उन्हें छह दिनों में बनाया- उत्पत्ति 1:31; यशायाह 45:18.

4. परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप पर बनाया:

क) उसने उसे अपनी योजना के अनुसार बनाया- उत्पत्ति 1:26,27.

ख) उसने उसे जीवित प्राणी बनाया- उत्पत्ति 2:7; 9:6.

ग) उसने उसे सारी सृष्टि पर अधिकार दिया- उत्पत्ति 1:28-30; भजन 8:3-5.

5. परमेश्वर ने मनुष्य को एक सुन्दर बाग में रखा:

क) वहां जीवन जीने के लिए उसकी हर आवश्यकता पूरी की गई- उत्पत्ति 2:8-9.

ख) उसने पुरुष की सहायता के लिए उस जैसी ही एक औरत बनाई- उत्पत्ति 2:20-24.

ग) उसने उन्हें पति व पत्नी का रिश्ता दिया- उत्पत्ति 2:22-24; इफिसियों 5:22-31.

III व्यावहारिक प्रासंगिकताएं :

1. इन्सान को अन्य जानवरों जैसा नहीं, बल्कि परमेश्वर के स्वरूप पर बनाया है- भजन 8:3-5; उत्पत्ति 1:26; 2:19-20.
2. सच्चे परमेश्वर को हम उसके काम और उसकी शक्ति से जान सकते हैं- यशायाह 45:1-7; 44:6-8.
3. जो लोग मूर्तियों की पूजा करते हैं, वे धोखे में हैं- यशायाह 44:9-20.
4. परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा ये, तीनों ही सच्चे परमेश्वर का प्रगटावा हैं- 2 कुरिन्थियों 13:14; प्रेरितों 5:1-11; यूहन्ना 1:1-30; उत्पत्ति 1:1; कुलुस्सियों 1:15,18.
5. सृष्टि की रचना की गवाही परमेश्वर के होने का ऐलान करती है- रोमियों 1:18-23.
6. सृष्टि की रचना का उद्देश्य परमेश्वर के पुत्रों को प्रकट करना था- रोमियों 8:18-19.

IV याद करने के लिए आयत:

उत्पत्ति 1:1, ''आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।''

यूहन्ना 1:1-3, ''आदि में वचन (शब्द) था और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उस में से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।''